प्राचीन भारतीय गणित शोध केन्द्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावनानुसार गणित के क्षेत्र में भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने एवं इस क्षेत्र में शोध को विकसित करने की भावना से बसन्त पंचमी तदनुसार 5 फरवरी 2022 को प्राचीन भारतीय गणित शोध केन्द्र का शुभारम्भ डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला के अन्तर्गत किया गया है। इसी केन्द्र से एक सेमेस्टर का एक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्राचीन भारतीय गणित शीर्षक से संचालित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत अधिकतम 25 सीटे हैं। पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य 2 जनवरी 2023 से प्रारम्भ किया जा चुका है। इस वर्ष 21 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया है।

डाटा विज्ञान अध्ययनशाला के भवन में स्थित इस केन्द्र में प्राचीन पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी एवं एक विभागीय पुस्तकालय भी 2 जनवरी से प्रारम्भ किया गया है।

केन्द्र का सम्पर्क सूत्र निम्नवत् हैः–

डॉ. अनुपम जैन
आचार्य–गणित एवं
निदेशक–प्राचीन भारतीय गणित शोध केन्द्र
डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला,
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर 452 001
मोबा. 094250 53822

भारतीय ज्ञान परम्परा : जैन गणित केन्द्र

भारत सरकार–शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत AICTE के IKS प्रकोष्ठ द्वारा देश के विभिन्न अंचलों में IKS केन्द्रों की स्थापना की गई है। इसके अन्तर्गत IKS Division ने अपने पत्र दि. 12.12.2022 द्वारा इस विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. अनुपम जैन (P.I.) के नेतृत्व में IKS Centre in Jaina Mathematics की स्थापना की है। इस केन्द्र को भी प्राचीन भारतीय गणित शोध केन्द्र के साथ ही संचालित किया जा रहा है।

केन्द्र का उद्घाटन 2 जनवरी 2023 को सम्पन्न हो चुका है।

सम्पर्क सूत्र :–

डॉ. अनुपम जैन
94250 53822